

डॉ. डेविड हॉवर्ड, जोशुआ-रूथ, सत्र 25, न्यायाधीश 4-5 दबोरा और बराक

© 2024 डेविड हॉवर्ड और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 25 है, न्यायाधीश 4-5, दबोरा और बराक।

पुनः नमस्कार, और इस खंड में, हम न्यायाधीश अध्याय चार और पाँच पर चर्चा करने जा रहे हैं।

यह डेबोरा और बराक और कनानियों के खिलाफ उनकी लड़ाई की कहानी है, और यहां हमारे पास ग्रंथों का एक अनूठा सेट है क्योंकि कहानी का विवरण गद्य रूप में अध्याय चार में बताया गया है, एक सीधी कथा, और फिर अध्याय पांच में हम उन घटनाओं पर एक भजनात्मक चिंतन करें। हमारे पास डेबोराह है जो इस गीत को गा रही है और संगीतबद्ध कर रही है। यह काव्यात्मक रूप में है।

यदि आप अपनी बाइबिल को देखते हैं, तो आप देखेंगे कि अध्याय पांच गीत जैसा दिखता है, कविता जैसा दिखता है, और यह बाइबिल में उन स्थानों में से एक है जहां हम गद्य की व्याख्या कैसे करें, कैसे करें, इसके लिए एक प्रकार का व्याख्यात्मक परीक्षण मामला हो सकता है। कविता की व्याख्या करने के लिए. अधिकांश भाषाओं में, सहज रूप से हम समझते हैं कि कविता चीजों के चित्रण में अधिक आलंकारिक हो सकती है। गद्य अधिक सीधा होता है, और कविता कभी-कभी गद्य की तुलना में अधिक भावनात्मक होती है, इसलिए बहुत सारी विशेषताएं हैं जो भिन्न हैं, और हम उन्हें यहां क्रियान्वित रूप में देखते हैं।

हम उन्हें यहां रखे हुए देखते हैं। हमने पिछले खंड में इस पर चर्चा की थी जब हम जोशुआ में उस अंश पर चर्चा कर रहे थे जिसमें सूर्य और चंद्रमा के स्थिर खड़े होने के बारे में बात की गई थी, लेकिन मैं तर्क दूंगा कि वह छोटा अंश काव्यात्मक है। यह उस युद्ध पर एक भजनात्मक प्रतिबिंब है जो अभी-अभी उस अध्याय में पूरा हुआ है, छंद छह से ग्यारह, लेकिन चीजों की व्याख्या करने के तरीके को समझने में मदद करने के लिए यह वास्तव में सहायक प्रकार का नियंत्रण है।

तो हो सकता है कि हम कहानी की शुरुआत को देखने से पहले इसके व्याख्याशास्त्र से इसे देखें, बस यह इंगित करने के लिए, हमारे पास अध्याय चार में 24 छंदों में गद्य विवरण है, और हमारे पास एक प्रकार का गद्यात्मक, शब्द गद्यात्मक है आप जानते हैं, यह हर दिन एक प्रकार का होता है और यह गद्य शब्द से आता है, जो अध्याय चार, छंद 23 और 24 में अध्याय का गद्य निष्कर्ष है। इसलिए उस दिन, भगवान ने कनान के राजा याबीन को लोगों के सामने अपने अधीन कर लिया। इस्राएल और इस्राएल के लोगों का हाथ कनान के राजा याबीन के विरुद्ध और भी अधिक बढ़ता गया, यहां तक कि उन्होंने कनान के राजा याबीन को नष्ट कर दिया। तो यह एक तरह का सामान्य गद्य समापन है।

कविता में, हमारे पास बहुत कुछ है जो अध्याय चार में है, लेकिन कविता में बहुत सी चीजें वास्तव में गद्य विवरण में नहीं मिलती हैं, और इसमें से कुछ बहुत अधिक आलंकारिक हैं। इसलिए, उदाहरण के लिए, अध्याय पाँच, श्लोक चार में, यह कहा गया है, हे प्रभु, जब आप सेईर से निकले, जब आपने एदोम या एदोम के क्षेत्र से प्रस्थान किया, तो पृथ्वी कांप उठी और आकाश गिर गया, हाँ, बादलों ने पानी गिरा दिया . पद पाँच, पहाड़ प्रभु के सामने काँप उठे।

चौथे अध्याय में तूफ़ान और भूकंप आदि का कोई विवरण नहीं है, लेकिन कविता इस बारे में इस तरह की बात करती है जैसे कि भगवान कनानियों के खिलाफ प्रकृति की सभी शक्तियों को सहन करने के लिए ला रहे हैं, और यह तब और भी अधिक होता है जब आप श्लोक 20 में पढ़ते हैं .जब यह कहता है, स्वर्ग से तारे लड़े। अपने मार्ग से, उन्होंने सीसरा, जो कनानी सेनापति था, इत्यादि के विरुद्ध लड़ाई लड़ी।

इसलिए, हम वास्तव में कल्पना नहीं करते हैं कि तारों और विशेष गामा किरणों या एक्स-रे के नीचे आने के साथ कुछ हो रहा था। हम सहज रूप से यह कहना आलंकारिक भाषा के रूप में समझते हैं कि भगवान ने सभी चीजों को सहन किया और जीत पूर्ण और जबरदस्त थी। तो, गद्य बनाम कविता की व्याख्या कैसे करें यह देखने के लिए यह वास्तव में एक अच्छा परीक्षण मामला है।

एक और वास्तव में उपयोगी मामला जो बहुत समान है, वह मिस्र से लाल सागर से होकर गुजरने वाले पलायन की कहानी है। हम देखते हैं कि निर्गमन 14 में गद्य वृत्तान्त में, और निर्गमन 15 में काव्यात्मक वृत्तान्त में, पहले 18 पद हैं। और यदि आप आगे काम करने के लिए बहुत प्रेरित हैं, तो निर्गमन 15 या न्यायाधीश 4 और 5 की चीजों के मुकाबले निर्गमन 14 की चीजों को सूचीबद्ध करने वाला एक चार्ट बनाने में कुछ समय व्यतीत करें, और आप देख सकते हैं कि कविता कैसे बनाम कैसे काम करती है गद्य कार्य.

तो अब आइए वास्तविक कहानी के बारे में बात करें क्योंकि यह अध्याय चार में सामने आती है और देखें कि क्या हो रहा है। दबोरा न्यायाधीशों में चौथी है, और कहानी फिर से शुरू होती है जब उसे बताया जाता है कि इस्राएल के लोगों ने प्रभु की दृष्टि में बुरा किया था, पद एक। परमेश्वर ने उन्हें कनान के राजा याबीन के हाथ में बेच दिया, याबीन, जिसे इब्रानी भाषा में कहा जाता था, जो हासोर, हतज़ोर में राज्य करता था ।

हासोर देश के सुदूर उत्तर में है, और उसका सेनापति सीसरा नाम का एक व्यक्ति था। इसलिए, यहोवा के लोगों पर अत्याचार किया गया। याबीन के पास लोहे के 900 रथ थे, तो जाहिर तौर पर एक अच्छी तरह से सुसज्जित सेना थी, और उसने 20 वर्षों तक लोगों पर अत्याचार किया।

अब डेबोरा को यहां अन्य न्यायाधीशों की तुलना में एक अलग तरीके से पेश किया गया है क्योंकि हम उसे न्याय करते हुए देखते हैं जैसा कि हम सोचते हैं कि हमारे आधुनिक समय में एक वास्तविक न्यायाधीश करता है, अर्थात् सलाह देना या फैसले या निर्णय देना। तो, श्लोक चार और पाँच, अध्याय चार में, सबसे पहले, यह उसे एक भविष्यवक्ता कहता है और कहता है कि वह उस समय इज़राइल का न्याय कर रही थी। वह देश के मध्य भाग में एप्राइम के पहाड़ी देश में रामा और

बेतल के बीच, दबोरा की हथेली के नीचे बैठी थी, एक जगह जिसके साथ उसका नाम जुड़ा हुआ था।

लोग निर्णय के लिए उनके पास आते थे। तो यह उसे दूसरों से अलग, ऊपर और अलग और दूर करता है। हम बाद में अध्याय में और फिर अध्याय पाँच में देखते हैं कि वह अंततः सैन्य संघर्ष का नेतृत्व करती है।

ऐसा लगता है कि कहानी में दूसरा आदमी बराक, नेतृत्व करने से डरता है, और इसलिए वह आगे आती है और ऐसा करती है। इसलिए, वह सर्वोत्कृष्ट नेता हैं। वह एक भविष्यवक्ता है।

वह एक जज हैं। वह अनिवार्य रूप से एक सैन्य नेता है, और इसलिए वह एक तरह से अद्वितीय है और एक तरह से आगे बढ़ती है। वह जजों में अकेली महिला हैं।

वह इस अर्थ में अपवाद है, और विडंबना यह है कि वह वह न्यायाधीश है जो उन सभी बारह न्यायाधीशों में से सबसे अधिक चमकती है जिन्हें हम पुस्तक में देखते हैं। तो वह आयत छह में किसी की बैरक में भेजती है, और उससे कहती है कि हमें जाकर तुम्हारे आदमियों को ले आना चाहिए। वह सैन्य कमांडर प्रतीत होता है।

जाओ और अपने आदमियों को माउंट ताबोर पर ले जाओ। नप्ताली और जबूलून के लोगों में से दस हजार ले लो, और मैं सिसरो नामक सेनापति को बुलाऊंगा। इसलिए, वह एक ऐसी रणनीति का प्रस्ताव कर रही है जहां वह और वह दुश्मन को हराने में सहयोग करेंगे।

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि बराक कहीं अधिक चिड़चिड़ा है। वह कहता है, यदि तुम मेरे साथ चलोगी तो मैं चलूंगा, लेकिन यदि तुम मेरे साथ नहीं चलोगी तो मैं नहीं जाऊंगा। इसलिए, वह छोड़ने और अकेले रहने और एक अलग तरीके से संयुक्त प्रयास करने के लिए तैयार नहीं है।

तो, उसके बाद, वह पृष्ठभूमि में लुप्त हो जाता है, और वह वह है जिसे श्रेय मिलता है। तो, वह कहती है, श्लोक आठ, मुझे क्षमा करें, श्लोक नौ, वह कहती है, मैं निश्चित रूप से तुम्हारे साथ चलूंगी। फिर भी, जिस मार्ग पर तुम जा रहे हो वह तुम्हारी महिमा की ओर नहीं ले जाएगा, क्योंकि यहोवा सिसरो को एक स्त्री के हाथ में बेच देगा।

और एक दूसरी महिला है जो इस पुस्तक में नायक है, इस अध्याय में, जैल नाम की एक महिला है, जो वास्तव में कनानी जनरल, सिसरो को मारती है। विडंबना यह है कि बराक इजरायली जनरल है, जिसे एक तरह से अपने कनानी समकक्ष को मारना चाहिए था, लेकिन उसका नेतृत्व एक महिला कर रही है, और यह एक और महिला है जो कनानी जनरल को मार देती है। तो, उनके पास काफी सेना है।

पद 10, वे जबूलून से पुकारते हैं, नप्ताली। इसलिए, हमने परिचयात्मक टिप्पणियों और व्याख्यानों में पुस्तक के शुरुआती भाग का उल्लेख किया है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकांश न्यायाधीश कनानियों के खिलाफ किसी भी लड़ाई में इजराइल के सभी 12 जनजातियों के गठबंधन का नेतृत्व करने वाले न्यायाधीश नहीं थे। यहां ऐसा प्रतीत होता है कि डेबोरा और

बराक कुछ जनजातियों के साथ काम कर रहे हैं, इसलिए ये छोटे गठबंधन हैं, और यह बहुत संभव है, शायद यह भी कि न्यायाधीशों की इनमें से कुछ कार्रवाइयां एक-दूसरे के साथ समकालीन थीं।

उन्होंने ओवरलैप किया, कम से कम, क्योंकि न्यायाधीशों की पुस्तक में यहां बताई गई वर्षों की संख्या उस समय सीमा से अधिक है जिसे हम जानते हैं कि यह न्यायाधीशों की अवधि के आरंभ और अंत बिंदु की तरह है। तो, इसका एक उदाहरण यहां दिया गया है, जो मुख्य रूप से जबूलून और नेप्ताली से आ रहा है। इसलिए सीसरा ने श्लोक 12 में खतरे के बारे में सुना, और उसने अपने रथों, लोहे के 900 रथों को बुलाया, और डेबोरा ने बराक को अपने 10,000 पुरुषों के साथ जाने का निर्देश दिया, लेकिन श्लोक 15 में प्रभु ने सीसरा और रथों को बराक से पहले भगा दिया, इसलिए बराक यहाँ कुछ युद्ध में शामिल है।

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि सीसरा भागने में सफल हो गया, और आयत 16 के अंत में सीसरा की सारी सेना बराक के हाथों गिर गई, लेकिन सीसरा बच निकला, और वह येल नाम की एक महिला के डेरे पर पहुंच गया। अध्याय के अंत तक श्लोक 17 में, हमारे पास दो और महिलाएं हैं, इसलिए वास्तव में तीन महिलाएं हैं जो इस अध्याय में आती हैं, दबोरा और येल, लेकिन फिर, विडंबना यह है कि अंत में, सीसरा की मां, ठीक है, मैं हूं क्षमा करें, यह यहाँ नहीं है, यह कविता में है, लेकिन सीसरा की माँ कविता के अंत में शोक मनाती हुई दिखाई देती है, इसलिए हम इसे कुछ मिनटों में देखेंगे। इसलिये सीसरा भागकर येएल के तम्बू की ओर जाती है, वह उसका स्वागत करती है, उसे ढाँक देती है, वह थोड़ा पानी माँगता है, वह उसे थोड़ा दूध देती है, इत्यादि।

लंबी कहानी है, जब वह सो जाता है, तो वह एक तंबू की खूँटी लेती है और उसे उसकी खोपड़ी में घुसेड़ देती है, और वह अपनी बाकी सेना के साथ मर जाता है। तो, कनानी गठबंधन पर जीत पूरी हो गई है, और यह मुख्य रूप से इस अध्याय में दो महिला नेताओं के हाथों है। तो इस अवसर का जश्न मनाने के लिए एक गीत बनाया और गाया गया है जो हमें अध्याय पांच में मिलता है, और यह कहता है कि डेबोरा और बराक ने यह गीत गाया था।

साहित्य में इसे आमतौर पर दबोरा का गीत कहा जाता है, जैसा कि आप टिप्पणियों में देखेंगे, लेकिन हम देखते हैं कि बराक इसका हिस्सा है, और उसे श्रेय देने के लिए, वह सेना का नेतृत्व करता है और सीसरा की सेना को नष्ट कर देता है, लेकिन ऐसा लगता है वह इसे दबोरा की छाया में करना चाहता है, और उसे अपने समकक्ष सीसरा को मारने का सम्मान नहीं है। तो यह पद दो से शुरू होता है, नेताओं ने नेतृत्व किया, और लोगों ने स्वयं को स्वेच्छा से प्रस्तुत किया, और यहां क्रिया स्वयं को स्वेच्छा से प्रस्तुत की गई, यह हिब्रू में एक शब्द है। यह वही शब्द है जो निर्गमन में पाया जाता है, जब लोग मिस्र से बाहर आ रहे थे, और लोग स्वेच्छा से खजाने ले रहे थे और उन्हें ला रहे थे और तम्बू बनाने के लिए तम्बू में दे रहे थे।

यह वही शब्द है जो सालों बाद, लगभग एक हजार साल बाद, नहेमायाह की किताब में पाया गया, जब लोग एज्रा में, मंदिर के निर्माण के साथ, यरूशलेम की दीवारों के निर्माण में स्वेच्छा से मदद करने की पेशकश कर रहे थे। तो, यह विचार है कि लोग इसमें शामिल हो रहे हैं और

अपना काम कर रहे हैं, और राष्ट्र इस बिंदु पर सकारात्मक तरीके से एक साथ आ रहा है। और श्लोक तीन लगभग एक भजन जैसा लगता है।

हे राजाओं, सुनो, हे हाकिमों, यहोवा की ओर कान लगाओ, मैं गाऊंगा, मैं इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के लिये भजन गाऊंगा। और फिर यह प्रभु की स्तुति करना शुरू कर देता है, जो कुछ उसने किया है उसके लिए प्रभु की स्तुति करना, श्लोक चार और पांच, उसके आगे बढ़ने के बारे में बात करते हैं। और फिर यह आगे बढ़ता है और शमगर के दिनों, पहले न्यायाधीश, येल के दिनों, छंद छह का उल्लेख करता है, और फिर यह एक तरह से इतिहास देता है कि क्या हो रहा है।

इन टिप्पणियों में किसी प्रकार की कथात्मक कहानी नहीं है, लेकिन वे अलग-अलग चीजों को छू रहे हैं और भगवान की स्तुति कर रहे हैं। लेकिन श्लोक 14 से और उसके बाद, श्लोक 13, यह वहाँ मार्च करने के बारे में बात करता है, और मार्च, निश्चित रूप से, आमतौर पर एक क्रम में किया जाता है। और इसलिए, श्लोक 14 और उसके बाद, हमारे पास गठबंधन के हिस्से के रूप में आठ अलग-अलग जनजातियों का उल्लेख है।

तो, हमने पहले कुछ जोड़े का उल्लेख किया है, लेकिन अब और भी कुछ है। तो पद 14, पद चार में एप्रैम भी है, पद 14 में बिन्यामीन, मुझे क्षमा करें। और फिर श्लोक 14 में जबूलून का उल्लेख है, 15 में इस्साकार और रूबेन का उल्लेख है, 17 में दान और आशेर का उल्लेख है, और 18 में फिर से जबूलून और फिर नेप्ताली का उल्लेख है।

तो, ऐसा लगता है कि यह एक बड़ा गठबंधन है जैसा कि हमने अध्याय चार में देखा है, और अन्य न्यायाधीशों की अधिकांश प्रतिबद्धताओं की तुलना में एक बड़ा गठबंधन है। राजा आये, उन्होंने युद्ध किया, श्लोक 19, तनक द्वारा मेगिदो के जल के पास कनान के राजाओं से युद्ध किया, उनके पास कोई लूट नहीं थी। श्लोक 20 में तारे आकाश से लड़े, और कनानियों के विरुद्ध इस महान कुल विजय की कल्पनाएँ बढ़ती जा रही हैं।

जब हम श्लोक 24 पर पहुंचते हैं तो कविता के स्वर में वास्तव में आमूल-चूल परिवर्तन होता है। और यह एक तरह से धीमा हो जाता है और एक व्यक्ति पर केंद्रित हो जाता है। यह येएल पर केंद्रित है, जिसने सीसरा को मार डाला था।

इसलिए, श्लोक 24 में यह कहकर उसकी प्रशंसा की गई है कि महिलाओं में सबसे अधिक धन्य कनानी हेबेर की पत्नी येएल है। उसने पानी मांगा, उसने उसे दूध दिया, दही लाया, इत्यादि। उसने अपना हाथ तंबू की खूंटी पर रखा, अपना दाहिना हाथ काम कर रहे हथौड़े पर।

अब श्लोक 26 हमें एक उदाहरण देता है कि कविता कैसे काम करती है। इस बात की चर्चा हो रही है कि आखिर वहां क्रम क्या था, अगर वीडियो कैमरा चल रहा होता तो हम क्या देखते? हम कल्पना करते हैं, आप जानते हैं कि उसके एक हाथ में तंबू की खूंटी है और दूसरे हाथ में हथौड़ी है, वह उसे इस तरह पीट रही है।

इसलिए, पद 26 में, उसने अपना हाथ तम्बू के खूँटे पर रखा, और उसने अपना दाहिना हाथ मजदूर के हथौड़े पर रखा। कुछ विद्वानों का तर्क है कि श्लोक के पहले भाग में हाथ और अगली पंक्ति में दाहिने हाथ का संदर्भ एक ही है। लेकिन इस तरह से यह तस्वीर उलझ जाती है कि सब कुछ एक हाथ में रखते हुए वह ऐसा कैसे करेगी।

तो, मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक सीधा-सीधा पढ़ना है, दूसरे में तम्बू खूँटी पकड़ लेता है। उसने सीसरा को मारा, उसने उसका सिर कुचल दिया, वह चकनाचूर हो गयी, उसने उसकी कनपटी में छेद कर दिया। तो ध्यान दें चार छंद हैं, बांग, बांग, बांग, बांग।

यह चीजों की कल्पनाशीलता, सजीवता को बढ़ाता है। और फिर मुझे लगता है कि श्लोक 27 बाइबिल में किसी घटना के नाटक के शब्दों में सबसे उल्लेखनीय चित्रणों में से एक है। क्योंकि यहाँ, कविता, आप शायद जानते हैं कि हिब्रू कविता बहुत नियमित है और यह आमतौर पर जोड़ीदार पंक्तियों में होती है।

और पंक्तियाँ आमतौर पर काफी समान लंबाई की होती हैं, पंक्तियों में एक निश्चित लय की तरह। लेकिन यहाँ श्लोक 27 में वह कविता खंडित है। पंक्तियाँ लगातार छोटी होती जाती हैं और यह एक शब्द के साथ समाप्त होती है।

तो आइए मैं इसे इस तरह से पढ़ने का प्रयास करूँ जिससे यह समझ में आ सके। यह मारे गए सेनापति सिसरा और उसे मारने वाले येएल के बारे में बात कर रहा है। तो, श्लोक 27, वह उसके पैरों के बीच डूब गया, वह गिर गया, वह शांत पड़ा रहा।

वह उसके पैरों के बीच डूब गया, वह गिर गया। जहाँ वह डूबा, वहीं वह मृत होकर गिर पड़ा। और इस प्रकार यह लगभग इस आदमी की मृत्यु चक्र का चित्रण करता है।

कविता पहले भाग में तीन क्रियाएँ देती है। डूब गया, गिर गया, स्थिर पड़ा रहा। दूसरा डूब गया, गिर गया।

तीसरा डूबा, फिर गिरा। और फिर यहाँ अंतिम शब्द बिल्कुल मृत है। और इसलिए, यहाँ इस तरह का यह फ़नल, यह मौत का सर्पिल है, और यह, मुझे लगता है, चीजों के नाटक को पकड़ लेता है।

और मुझे लगता है कि कविता का लेखक डेबोरा है, जो जानबूझकर तोड़ रहा था, जानबूझकर यहाँ कविता को खंडित कर रहा था ताकि ऐसा दिखाया जा सके। फिर एक और नाटकीय परिवर्तन होता है, और यह और भी अधिक नाटकीय है, क्योंकि यह दृश्य को इज़राइल से बाहर, युद्ध के मैदान में, जहाँ भी सिसरा है, स्थानांतरित कर देता है। और यह किसी ऐसे व्यक्ति पर केंद्रित है जिसका पाठ में, अध्याय चार या अध्याय पांच में, इस बिंदु तक बिल्कुल भी उल्लेख नहीं किया गया है।

और वह सीसरा की माँ है। और इसलिए अब हम एक कनानी के चरित्र को देख रहे हैं। यह पुराने नियम के एकमात्र अंशों में से एक है जहाँ हमें एक कनानी व्यक्ति, इज़राइल के दुश्मन की आंतरिक मानसिक प्रक्रियाओं का वर्णन मिलता है।

आम तौर पर, कनानियों को साहित्यिक दृष्टि से चित्रित किया जाता है, जिसे कभी-कभी एक सपाट चरित्र कहा जाता है। वे वास्तव में बहुत अधिक विकसित नहीं हैं। हम बस इतना जानते हैं कि वे आम तौर पर बुरे लोग होते हैं।

राहब वह है जिसका अधिक विस्तार से वर्णन किया गया है। वह वही होगी, जिसे साहित्यिक भाषा में गोल पात्र कहा जाता है। साहित्यिक दृष्टि से कहीं अधिक पूर्णतः विकसित।

सीसरा की माँ. हम उसके दिमाग की आंतरिक कार्यप्रणाली के बारे में थोड़ा-बहुत देखते हैं, और वह बिल्कुल बीच में है, बस एक पूरी तरह से सपाट चरित्र और एक पूरी तरह से गोल चरित्र। वैसे भी, वह खिड़की से बाहर देख रही है।

पद 28. माता सीसरा ने जाली में से चिल्लाकर कहा, इस रथ को आने में इतनी देर क्यों हो गई? क्यों, रुको, इस रथ के खुरों की आवाज़ उसकी सबसे बुद्धिमान राजकुमारियाँ उत्तर देती हैं,

दरअसल, वह खुद ही जवाब देती है। क्या उन्होंने लूट का माल ढूँढ़कर बांट नहीं लिया? हर आदमी के लिए एक या दो गर्भ। लूट।

और यह अपने बेटे से वंचित एक महिला की दुखद और त्रासद तस्वीर है। वह अपने नौकरों और राजकुमारियों से घिरी हुई थी। लेकिन वह अपने बेटे को वापस लाने के लिए कुछ नहीं कर सकती.

वह सामने नहीं आएगा. और इसलिए, कविता की अंतिम कविता, कविता 31, अब कविता के लेखक की लगती है, दबोरा की अंतिम प्रतिक्रिया और चीजों पर प्रतिबिंब, सीसरा की माँ के बारे में इस कथन को उठाना। और यह कहता है, हे यहोवा, तेरे सब शत्रु नाश हों।

अपने दोस्तों को सूरज की तरह बनने दो जो अपनी ताकत में उग रहा है। तो, यह एक बहुत ही नाटकीय कविता है. यह जीत की बहुत नाटकीय कहानी है.

एक अप्रत्याशित प्रकार के व्यक्ति, एक महिला, के नेतृत्व में। लेकिन कविता एक बहुत ही नाटकीय कविता है. और यह एक महान महिला नेता डेबोराह के कारनामों पर प्रकाश डालता है।

एक अन्य महिला, गेल, जो कनानी जनरल को मार देती है। और फिर कनानी जनरल की माँ, जिसे एक शोकाकुल, निराश व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जो अध्याय के नाटक को और बढ़ा देती है।

यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 25 है, न्यायाधीश 4-5, दबोरा और बराक।